चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	28. 5. 24		

THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER | To subscribe call 1800 1200 004 or visit subscribe.timesgroup.com

HAU researcher designs trolley for cattle feed

Kumar Mukesh | TNN

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) here has designed 'Motile Cattle Feeding Trolley' for lifting and transportation of feed.

The product, designed by research scholar Khushboo under the supervision of director, human resource management, Dr Manju Mehta, has been issued a design certificate by the Indian Patent Office.

The trolley can easily lift the feed and transport it as it is equipped with a wheel. Handles are provided in the trolley, which makes it easy to grip and reduces hand fatigue. Motile cattle feeding trolleys will help women save time and energy. It will also help women get rid of neck, back, arm and knee pains.

Vice-chancellor B R Kamboj congratulated the design team for the achievement.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	28·5·24		

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली के डिजाइन का पटेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति के साथ डिजाइन प्राप्त करने वाली छात्रा व अधिकारी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल है ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं।

चारा आसानी से उठाना संभव

मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस ट्रॉली में चारा व पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते है, वहां ले जाया जा सकता है। जिससे महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा उनके समय एवं उर्जा की बचत होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.5.24	3	1-5

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन अधिकार

डिजाइन को शोधार्थी खुशबू ने किया है तैयार

हिसार, 27 मई (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर 10 साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि को सराहा।

विश्वविद्यालय प्रवक्ता के अनुसार पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और 2 हैंडल हैं, ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके।

ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है, जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस ट्रॉली में चारा व पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते है, वहां ले जाया जा सकता है। इससे महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा उनके समय एवं ऊर्जा की बचत होगी। इससे मांसपेशियों एवं हड्डियों पर कम दबाव पड़ेगा।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ डिजाइन प्राप्त करने वाली छात्रा व अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.5.24	4	1-4

मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली डिजाइन का अधिकार 10 साल के लिए एचएयू को मिला

डॉ. मंजू की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया डिजाइन

एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज के साथ डिजाइन प्राप्त करने वाली छात्रा व अधिकारी। संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(एचएयू) को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी।

इसलिए डिजाइन की गई मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली : पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्रॉली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं। इस ट्रॉली में चारा व पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते है, वहां ले जाया जा सकता है, जिससे महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा उनके समय एवं उर्जा की बचत होगी।

ट्रॉली में चारा और पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते है, वहां ले जाया जा सकता है

इससे मांसपेशियों एवं हड्डियों पर कम दबाव पड़ेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.5.24	2	3-4

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक उत्पाद का डिजाइन अधिकार

विश्वविद्यालय की शोधार्थी ने किया है डिजाइन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है।

भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। इसलिए डिजाइन की गई मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली

पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली पशु चारा ट्राली बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल हैं ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	28.5.24	5	5-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन अधिकार

• शोधार्थी खुशबू ने तैयार किया डिजाइन

हिसार, सच कहूँ न्यूज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ डिजाइन प्राप्त करने वालीं छात्रा व अधिकारीगण

महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी

इस ट्रॉली में चारा व पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते हैं, वहां ले जाया जा सकता है। जिससे महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा उनके समय एवं उर्जा की बचत होगी। इससे मांसपेशियों एवं हड्डियों पर कम दबाव पड़ेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

इसलिए डिजाइन की मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली

पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल हैं ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है, जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.5.24	4	5-6

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली डिजाइन अधिकार

कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज के साथ डिजाइन प्राप्त करने वाली छात्रा व अधिकारी • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

इसलिए डिजाइन की गई मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली

पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्राली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल है ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	28.5.24	9	4-5

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली डिजाइन का अधिकार

हिसार, 27 मई (हप्र)

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने तैयार किया डिजाइन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाणपत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई है। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल हैं ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए किया जा सकता है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28-5-24	6	6-8

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिज़ाइन अधिकार

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ डिज़ाइन प्राप्त करने वाली छात्रा व अधिकारी।

हिसार, 27 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

इसलिए डिजाइन की गई मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली:

पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल है ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं।

मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस ट्रॉली में चारा व पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते है, वहां ले जाया जा सकता है। जिससे महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा उनके समय एवं उर्जा की बचत होगी। इससे मांसपेशियों एवं हड्डियों पर कम दबाव पड़ेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.05.2024	--	--

हरियाणा कृषि विवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली डिजाइन राइट्स

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के साथ डिजाइन प्राप्त करने वाली छात्रा व अधिकारीगण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल है ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. बीना यादव, डॉ. संदीप आर्य एवं डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	28.05.2024	--	--

हकृवि को मिला मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन अधिकार

पल पल न्यूजः हिसार, 27 मई। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली नामक डिजाइन किए गए उत्पाद पर दस साल का डिजाइन अधिकार मिला है। भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से जारी डिजाइन प्रमाण पत्र में इस उत्पाद को 371981-001 पंजीकरण संख्या प्रदान की गई। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्रॉली का डिजाइन विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता की देखरेख में शोधार्थी खुशबू ने किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। पशुपालन में महिलाओं को चारा डालने में सबसे ज्यादा समस्या होती है। इसलिए ऐसे कार्य को करने के लिए उपयुक्त साधन की जरूरत होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली (पशु चारा ट्राली) बनाई गई है। यह ट्रॉली आयरन शीट और रबड़ से बनी हुई है। इसमें एक पहिया, एक बेरो, पीछे दो स्टैंड और दो हैंडल है ताकि उपयोगकर्ता पर लोड के वजन को कम किया जा सके। ट्रॉली का इस्तेमाल हम चारा डालने के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए कर सकते हैं। मोटाइल कैटल फीडिंग ट्राली ऐसा साधन है जिसमें चारा आसानी से उठाया जा सकता है और आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इस ट्रॉली में चारा व पानी आसानी से जहां पशु बंधे होते है, वहां ले जाया जा सकता है। जिससे महिलाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा उनके समय एवं उर्जा की बचत होगी। इससे मांसपेशियों एवं हड्डियों पर कम दबाव पड़ेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य एवं आइपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।